पेट्रोल

5 अक्टूबर 2019

: - -

- : , , - : - - - , -

और एक और स्वीकारोक्ति: 16वें इस्तानबुल बिएनाले के उद्घाटन के समय यह दुःख से जाना गया कि कुछ कम्पनियाँ जिनका कार्यक्षेत्र केवल जीवाश्म-ईंधन है, बिएनाले को सहायता देने वाली संस्थाओं में सम्मिलित हैं। एक ऐसी कला-घटना में जहाँ जलवायु-संकट को केन्द्र में रखा गया हो, इन प्रायोजनों को स्वीकार करना उचित नहीं माना गया। फिर भी यहाँ रहने का, इन विषयों के एजेंडे पर आने का, इस मञ्च के खुले होने का मूल्य भी कहा गया। भीतर से बोलने का तनाव बिएनाले जितना ही पुराना है पर उसे खुले मञ्च पर लाने वाले कुछ स्वरों में से एक है।

: ? — 6.80, 6.86 , - - - —

- : , ; ; -- -; — , - -: , , — -, - - —

"हम सब किसी न किसी रूप में पेट्रोल का अंश हैं, उपभोक्ता हैं। पर 6 लीरा 80 कुरुश चुकाकर वास्तविक मूल्य से आँखें मूँद लेते हैं।"

— , -, : , , " ", , , -

"हमारा घर जल रहा है। कुछ न करने का कोई बहाना नहीं हो सकता। जब हम क्रिया में आते हैं, तो आशा हर ओर होती है।"

: " , " — " , , " — - -, ?

: -

एक संग्रहालय-संचालक मञ्च पर आते हैं और परिचय में कहते हैं "यदि मैं स्वयं को कार्यकर्ता कहूँ तो यहाँ के अन्य प्रतिभागियों के साथ अन्याय होगा" — पर जो वे बताते हैं वह सक्रियतावाद ही है। : पेट्रोल-कम्पनियों, अस्त्र-निर्माताओं द्वारा कला-संस्थानों को प्रायोजित करके अपनी प्रतिष्ठा को धोना। कम्पनियों की अपनी भाषा में इसे "प्रतिष्ठा-प्रबन्धन" कहा जाता है।

कथन इङ्ग्लैण्ड से आरंभ होता है: आन्दोलन ने 2010 से 2016 तक छह वर्षों के अडिग प्रदर्शनों से - की प्रायोजकता को समाप्त करने में सफलता पायी। संग्रहालय के लाखों सदस्य हैं — यह आधार जनमत को संगठित करना सम्भव बनाता है। सफलता लहर बनकर फैलती है: हॉलैण्ड में , की संग्रहालय-प्रायोजकता समाप्त करवाता है। फ्रांस में , के विरुद्ध संघर्ष कर रहा है — पिछले सप्ताह उन्होंने एक नई कार्रवाई भी की। संग्रहालय-संचालक और पीछे जाते हैं — 1969 तक, तक। वियतनाम-युद्ध की लागत सत्तर अरब डॉलर, अन्तरिक्ष-दौड़ हर अमेरिकी पर दस डॉलर। मध्य-वर्ग दबा हुआ है। कुछ कलाकारों का एक दल को तेरह-सूत्री माँग-पत्र प्रस्तुत करता है: कलाकार-अधिकार, अश्वेत कलाकारों को अधिक स्थान, श्रमिक-वर्ग की संग्रहालय तक पहुँच। केवल एक माँग स्वीकृत होती है: सप्ताह में एक दिन निःशुल्क प्रवेश। दो माह में आय-हानि का बहाना देकर इसे हटा देता है, प्रदर्शनों से वापस लाने को बाध्य होता है। ये निःशुल्क-प्रवेश-दिवस 1990 के दशक तक चलते रहे — फिर क्रमशः और की प्रायोजकता में स्थानान्तरित कर दिए गए। जनता का स्थान कॉर्पोरेशनों ने ले लिया है।

: " - , - " - , , - — -

"जनि स्थानों को जनता ने नहीं अपनाया है, वहाँ कम्पनियाँ बड़ी सुगमता से प्रवेश कर लेती हैं। जनि देशों में जनता ने नहीं अपनाया है, वहाँ इसकी शकिायत करना भी मुझे इस चरण में उचति नहीं लगता।"

: -

अन्तमि प्रस्तुत सिबसे वैयक्तकि है। (वलिोप-वद्रिोह) की तुर्की-प्रतनिधि अकेले सड़क पर नकिलने से
आरंभ हुई यात्रा सुनाती हैं। प्रेरणा: ग्रेटा ने पन्द्रह वर्ष की आयु में जो हासलि कयिा, उसे देखकर इस भार को एक बच्ची पर सौंपने के बजाय बाँटने की इच्छा।

- , — " ," :- ? ?, , , , , —

: " " - — ? ?

"बच्चे सच में अपना सर्वोत्तम कर रहे हैं। हमारी पीढ़ी, हम वयस्क — क्या इसके लिए पर्याप्त परश्रिम कर रहे हैं?"

:

- : " ? , ?" ? - — : 2007 - , - — ? " ," : ", - "

पर वैयक्तकि क्रयिा अकेले पर्याप्त नहीं। इस्तानबुल में पुनर्चक्रण के लिए लगने वाली ऊर्जा और इङ्ग्लैण्ड में लगने वाली ऊर्जा में पहाड़ जतिना अन्तर है — सेवा सामने आए बनिा वैयक्तकि प्रयास से उत्सर्जन घटाना सम्भव नहीं। नीतयिों को बदले बनिा ली गई वैयक्तकि सावधानयिों का उत्सर्जन पर प्रभाव शून्य है। एक स्वर "" की संकल्पना सुझाता है: नहीं, बल्कि
पूँजीवाद से उत्पन्न एक युग। तंत्र बदले बनिा वैयक्तकि रूपान्तरण पर्याप्त नहीं होगा।

और सभागार में एक छोटा पर तीव्र क्षण: कोई स्वीकार करता है कि उसके चारों ओर इतने अधकि हैं कि अब "मैं नहीं हूँ" कहने में लज्जा आती है। वैयक्तकि क्रयिा का सामाजकि दबाव रचना — यह भी एक रूपान्तरण-तंत्र है, कोमल पर प्रभावी। काज़-पर्वतों पर स्वर्ण-खनन के वरिुद्ध प्रतरिोध के स्मरण से सभागार और भी वस्तृित होता है: आगामी सप्ताह चानाक्काले में तीस हज़ार लोगों की कार्रवाई की प्रतीक्षा है, का अनुमतपित्र 13 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

- 6 80 ,